

विषय — प्राचीन और आधुनिक काला जादू, उपनाम कृत्रिम निद्रावस्था और हाइपोहान

स्वर्ण पाठः यशायाह 8: 19

"जब लोग तुम से कहते हैं कि ओझाओं और टोन्हों के पास जा रहे हैं पूछो जो गुनगुनाते और फुसफुसाते हैं, तब तुम यह कहते हो कि क्या प्रजा को अपने भगवान ही के पास जा कर न पूछना चाहिए?"

उत्तरदायी अध्ययनः 1 यूहन्ना 2: 15-18

1 यूहन्ना 3: 7, 8

- ¹⁵ तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो: यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है।
- ¹⁶ क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है।
- ¹⁷ और संसार और उस की अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा॥
- ¹⁸ हे लड़कों, यह अन्तिम समय है, और जैसा तुम ने सुना है, कि मसीह का विरोधी आने वाला है, उसके अनुसार अब भी बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं; इस से हम जानते हैं, कि यह अन्तिम समय है।
- ⁷ हे बालकों, किसी के भरमाने में न आना; जो धर्म के काम करता है, वही उस की नाई धर्मी है।
- ⁸ जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है: परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. मत्ती 4: 23, 24

- ²³ और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा।
- ²⁴ और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं और मिर्गी वालों और झोले के मारे हुआओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया।

2. लूका 8: 26-35 (से :)

- 26 फिर वे गिरासेनियों के देश में पहुंचे, जो उस पार गलील के साम्हने है।
- 27 जब वह किनारे पर उतरा, तो उस नगर का एक मनुष्य उसे मिला, जिस में दुष्टात्माएं थीं और बहुत दिनों से न कपड़े पहिनता था और न घर में रहता था वरन कब्रों में रहा करता था।
- 28 वह यीशु को देखकर चिल्लाया, और उसके साम्हने गिरकर ऊंचे शब्द से कहा; हे परम प्रधान परमेश्वर के पुत्र यीशु, मुझे तुझ से क्या काम! मैं तेरी बिनती करता हूं, मुझे पीड़ा न दे!
- 29 कि वह उस अशुद्ध आत्मा को उस मनुष्य में से निकलने की आज्ञा दे रहा था, इसलिये कि वह उस पर बार बार प्रबल होती थी; और यद्यपि लोग उसे सांकलों और बेडियों से बांधते थे, तौभी वह बन्धनों को तोड़ डालता था, और दुष्टात्मा उसे जंगल में भगाये फिरती थी।
- 30 यीशु ने उस से पूछा; तेरा क्या नाम है? उसने कहा, सेना; क्योंकि बहुत दुष्टात्माएं उसमें पैठ गई थीं।
- 31 और उन्होंने उस से बिनती की, कि हमें अथाह गड़हे में जाने की आज्ञा न दे।
- 32 वहां पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था, सो उन्होंने उस से बिनती की, कि हमें उन में पैठने दे, सो उस ने उन्हें जाने दिया।
- 33 तब दुष्टात्माएं उस मनुष्य से निकल कर सूअरों में गईं और वह झुण्ड कड़ाडे पर से झपटकर झील में जा गिरा और डूब मरा।
- 34 चरवाहे यह जो हुआ था देखकर भागे, और नगर में, और गांवों में जाकर उसका समाचार कहा।
- 35 और लोग यह जो हुआ था उसके देखने को निकले, और यीशु के पास आकर जिस मनुष्य से दुष्टात्माएं निकली थीं, उसे यीशु के पांवों के पास कपड़े पहिने और सचेत बैठे हुए पाकर डर गए।

3. मत्ती 12: 22-28

- 22 तब लोग एक अन्धे-गूंगे को जिस में दुष्टात्मा थी, उसके पास लाए; और उस ने उसे अच्छा किया; और वह गूंगा बोलने और देखने लगा।
- 23 इस पर सब लोग चकित होकर कहने लगे, यह क्या दाऊद की सन्तान का है?
- 24 परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा, यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता।
- 25 उस ने उन के मन की बात जानकर उन से कहा; जिस किसी राज्य में फूट होती है, वह उजड़ जाता है, और कोई नगर या घराना जिस में फूट होती है, बना न रहेगा।
- 26 और यदि शैतान ही शैतान को निकाले, तो वह अपना ही विरोधी हो गया है; फिर उसका राज्य क्योंकर बना रहेगा?
- 27 भला, यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो तुम्हारे वंश किस की सहायता से निकालते हैं? इसलिये वे ही तुम्हारा न्याय चुकाएंगे।
- 28 पर यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है।

4. मरकुस 16: 17, 18

- 17 और विश्वास करने वालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे।
- 18 नई नई भाषा बोलेंगे, सांपों को उठा लेंगे, और यदि वे नाशक वस्तु भी पी जाएं तौभी उन की कुछ हानि न होगी, वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएंगे।

5. प्रकाशित वाक्य 1: 1 (से 2nd,)

- 1 यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य जो उसे परमेश्वर ने इसलिये दिया,

6. प्रकाशित वाक्य 12: 1-10 (से :)

- 1 फिर स्वर्ग पर एक बड़ा चिन्ह दिखाई दिया, अर्थात एक स्त्री जो सूर्य ओढ़े हुए थी, और चान्द उसके पांवों तले था, और उसके सिर पर बारह तारों का मुकुट था।
- 2 और वह गर्भवती हुई, और चिल्लाती थी; क्योंकि प्रसव की पीड़ा उसे लगी थी; और वह बच्चा जनने की पीड़ा में थी।
- 3 और एक और चिन्ह स्वर्ग पर दिखाई दिया, और देखो; एक बड़ा लाल अजगर था जिस के सात सिर और दस सींग थे, और उसके सिरों पर सात राजमुकुट थे।
- 4 और उस की पूंछ ने आकाश के तारों की एक तिहाई को खींच कर पृथ्वी पर डाल दिया, और वह अजगर उस स्त्री से साम्हने जो जच्चा थी, खड़ा हुआ, कि जब वह बच्चा जने तो उसके बच्चे को निगल जाए।
- 5 और वह बेटा जनी जो लोहे का दण्ड लिए हुए, सब जातियों पर राज्य करने पर था, और उसका बच्चा एकाएक परमेश्वर के पास, और उसके सिंहासन के पास उठा कर पहुंचा दिया गया।
- 6 और वह स्त्री उस जंगल को भाग गई, जहां परमेश्वर की ओर से उसके लिये एक जगह तैयार की गई थी, कि वहां वह एक हजार दो सौ साठ दिन तक पाली जाए॥
- 7 फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले, और अजगर ओर उसके दूत उस से लड़े।
- 8 परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उन के लिये फिर जगह न रही।
- 9 और वह बड़ा अजगर अर्थात वही पुराना सांप, जो इब्लीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमाने वाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।
- 10 फिर मैं ने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, कि अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, और सामर्थ, और राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगाने वाला, जो रात दिन हमारे परमेश्वर के साम्हने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया।

7. 1 पतरस 5: 8-11

- 8 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जने वाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।

- ⁹ विश्वास में दृढ़ हो कर।
¹⁰ अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिस ने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा।
¹¹ उसी का साम्राज्य युगानुयुग रहे। आमीन॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 469: 13 (यह)-24

त्रुटि का नाश करने वाला महान सत्य है कि भगवान, अच्छा, एकमात्र दिमाग है, और यह कि अनंत मन के विपरीत - जिसे शैतान या बुराई कहा जाता है - मन नहीं है, सत्य नहीं है, बल्कि त्रुटि, बुद्धि या वास्तविकता के बिना है। एक मन हो सकता है, लेकिन एक भगवान है; और यदि मनुष्यों ने किसी अन्य मन का दावा किया और किसी अन्य को स्वीकार नहीं किया, तो पाप अज्ञात होगा। हमारे पास एक मन हो सकता है, अगर वह अनंत है। हम अनन्तता की भावना को दफनाते हैं, जब हम मानते हैं कि, हालांकि ईश्वर अनंत है, इस अनंत में बुराई का स्थान है, क्योंकि बुराई के लिए कोई जगह नहीं हो सकती है, जहां सभी स्थान ईश्वर से भरे हुए हैं।

2. 474: 29-32

प्रेरित कहते हैं कि मसीह का मिशन "शैतान के कामों को नष्ट करना" है। सत्य, असत्य और त्रुटि को नष्ट कर देता है, क्योंकि प्रकाश और अंधकार एक साथ नहीं रह सकते।

3. 351: 16-26

हम ईसाई धर्म के व्यावहारिक प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकते, जिसकी यीशु ने अपेक्षा की थी, जबकि त्रुटि हमें सत्य जितनी ही प्रबल और वास्तविक लगती है, और जबकि हम एक व्यक्तिगत शैतान और एक मानवरूपी ईश्वर को अपना प्रारंभिक बिंदु बनाते हैं, — खासकर यदि हम शैतान को ईश्वर के समान शक्ति वाला, यदि उससे श्रेष्ठ नहीं, तो भी मानते हैं। चूंकि ऐसे प्रारंभिक बिंदु न तो आध्यात्मिक हैं और न ही वैज्ञानिक, इसलिए वे ईसाई उपचार के आध्यात्मिक नियम को कार्यान्वित नहीं कर सकते, जो सामंजस्यपूर्ण सत्य की सर्व-समावेशीता को प्रदर्शित करके त्रुटि और कलह की शून्यता को सिद्ध करता है।

4. 330: 25 (यह)-32

यह धारणा कि बुराई और भलाई दोनों वास्तविक हैं, भौतिक अर्थों का भ्रम है, जिसे विज्ञान ने समाप्त कर दिया है। बुराई कुछ भी नहीं है, कोई बात नहीं, मन, और न ही शक्ति। जैसा कि मानव जाति द्वारा प्रकट किया गया है, यह झूठ के लिए खड़ा है, कुछ भी होने का दावा नहीं करता है, - वासना, बेईमानी, स्वार्थ, ईर्ष्या, पाखंड,

बदनामी, घृणा, चोरी, व्यभिचार, हत्या, मनोभ्रंश, विक्षेपन, निर्जीवता, शैतान, नरक, सभी के साथ वगैरह जिसमें शब्द शामिल है।

5. 103: 18-28

जैसा कि क्राइस्टियन साइंस में नाम दिया गया है, पशु चुंबकत्व या हिप्नोटिज्म त्रुटि, या नश्वर मन के लिए विशिष्ट शब्द है। यह गलत धारणा है कि मन पदार्थ में है, और यह बुराई और अच्छा दोनों है; यह बुराई उतनी ही वास्तविक है जितनी अच्छी और अधिक शक्तिशाली। इस विश्वास में सत्य का एक गुण नहीं है। यह या तो अज्ञानी है या दुर्भावनापूर्ण। सम्मोहन का दुर्भावनापूर्ण रूप नैतिक मूर्खता में परिणत होता है। और वे नश्वर मन की दंतकथाओं का सत्यानाश करते हैं, जिनकी भड़कीली और भड़कीली दिखावा, मूर्खतापूर्ण पतंगों की तरह, अपने स्वयं के पंख गाते हैं और धूल में गिर जाते हैं।

6. 6: 29-6

यह कई लोगों द्वारा माना जाता है कि एक निश्चित मजिस्ट्रेट, जो यीशु के समय में रहते थे, ने यह कथन दिया: "उसकी फटकार भयभीत है।" हमारे मास्टर की कड़वी भाषा इस विवरण की पुष्टि करती है।

गलती के लिए उसे जो एकमात्र सजा थी, वह थी, "हे शैतान, मेरे साम्हने से दूर हो।" जीसस का तिरस्कार तेज और गहन था, इसका मजबूत प्रमाण उनके स्वयं के शब्दों में मिलता है, — इस तरह के जबरन बोलने की आवश्यकता को दिखाते हुए, जब उसने शैतानों को बाहर निकाला और बीमार और पापी को चंगा किया।

7. 411: 13-19

यह दर्ज है कि एक बार यीशु ने एक बीमारी का नाम पूछा, - एक बीमारी जिसे आधुनिक लोग मनोभ्रंश कहते हैं। दानव, या दुष्ट, ने जवाब दिया कि उसका नाम लीजन था। उसके बाद यीशु ने बुराई को खत्म कर दिया, और पागल आदमी को बदल दिया गया और सीधे पूरे हो गए। इंजील आयात करने के लिए लगता है कि यीशु ने बुराई को आत्म-देखा और इसलिए नष्ट कर दिया।

8. 414: 4-14

पागलपन का उपचार विशेष रूप से दिलचस्प है। हालांकि मामले में बाधा है, यह सच्चाई की सलामी कार्रवाई के लिए अधिकांश रोगों की तुलना में अधिक आसानी से उपज देता है, जो त्रुटि का प्रतिकार करता है। पागलपन का इलाज करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दलीलें अन्य बीमारियों की तरह ही हैं: अर्थात्, वह असंभावना, जो मस्तिष्क, मस्तिष्क को नियंत्रित या विचलित कर सकती है, पीड़ित या पीड़ित कर सकती है; यह भी तथ्य कि सत्य और प्रेम स्वस्थ राज्य, मार्गदर्शक और शासित नश्वर मन या रोगी के विचार को स्थापित करेंगे, और सभी त्रुटि को नष्ट कर देंगे, चाहे इसे मनोभ्रंश, घृणा, या कोई अन्य कलह कहा जाए।

9. 567: 14 (प्रकाशित वाक्य)-26

प्रकाशित वाक्य : अध्याय 12 कविता 9. और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना सांप, जो इब्लीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमाने वाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।

वह झूठा दावा - वह प्राचीन मान्यता, वह पुरानी नागिन जिसका नाम शैतान (बुराई) है, यह दावा करते हुए कि पुरुषों को लाभ पहुंचाने या उन्हें घायल करने के लिए या तो बुद्धि में है - शुद्ध भ्रम है, लाल ड्रैगन; और यह क्राइस्ट, सत्य, आध्यात्मिक विचार द्वारा डाली गई है, और इसलिए शक्तिहीन साबित हुई है। शब्द "पृथ्वी पर फेंके गए" अजगर को शून्य, धूल से धूल तक दिखाते हैं; और इसलिए, बोलने के अपने ढोंग में, वह शुरू से ही झूठ होना चाहिए।

10. 564: 3-9

प्राचीन काल से, बुराई अभी भी आध्यात्मिक विचार को त्रुटि की अपनी प्रकृति और विधियों के साथ आरोपित करती है। यह दुर्भावनापूर्ण पशु वृत्ति, जिसमें से ड्रैगन प्रकार है, नश्वर को नैतिक और शारीरिक रूप से यहां तक कि उनके साथी-नश्वर को मारने के लिए उकसाता है, और इससे भी बदतर, निर्दोष पर अपराध का आरोप लगाने के लिए। पाप की यह अंतिम दुर्बलता उसके अपराधी को बिना तारे की रात में डुबो देगी।

11. 563: 15-22

प्रकटकर्ता समस्त बुराई के इस मूर्त रूप से पर्दा उठाता है, और उसके भयानक स्वरूप को देखता है; लेकिन वह बुराई की शून्यता और ईश्वर की सर्वव्यापकता को भी देखता है। प्रकटकर्ता उस पुराने साँप को देखता है, जिसका नाम शैतान या दुष्ट है, जो अथक निगरानी कर रहा है, ताकि वह सत्य की एड़ी को डस सके और आध्यात्मिक विचार की उस संतान को, जो स्वास्थ्य, पवित्रता और अमरता से भरपूर है, बाधित कर सके।

12. 568: 24-5

एक पाप पर जीत के लिए, हम धन्यवाद देते हैं और मेजबानों के भगवान की महिमा करते हैं। सभी पापों पर शक्तिशाली विजय के बारे में हम क्या कहें? एक ऊँचा गीत, जो पहले से कहीं अधिक मधुर उच्च स्वर्ग तक पहुँच गया है, अब अधिक स्पष्ट और मसीह के महान हृदय के निकट आता है; क्योंकि दोष लगाने वाला वहां नहीं है, और प्रेम उसके आदिम और चिरस्थायी तनाव को दूर करता है। स्व-उन्मूलन क्रायश्चियन साइंस में एक नियम है, जिसके द्वारा त्रुटि के खिलाफ हमारे युद्ध में हम सच्चाई या मसीह के लिए सब कुछ छोड़ देते हैं। यह नियम स्पष्ट रूप से ईश्वर को ईश्वरीय सिद्धांत के रूप में व्याख्या करता है, - जीवन के रूप में, पिता द्वारा दर्शाया गया; सत्य के रूप में, पुत्र द्वारा प्रतिनिधित्व; प्यार से, माँ द्वारा प्रतिनिधित्व किया। किसी न किसी अवधि में, यहाँ या उसके बाद, प्रत्येक नश्वर को भगवान के विपरीत एक शक्ति में नश्वर विश्वास के साथ जूझना चाहिए।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्विषा, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6